Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Expert Talk on ' INDIA@2047: Challenges and the way Ahead'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-01-2023**

देश के बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचान आगे बढ़ें : सतपथी

विशेषज्ञ वार्ता आयोजित, कुलपति बोले- भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में 'इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञवार्ता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

हकेंविवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी। संवाद

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनीलकुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना मूल इतिहास को जाने विकास संभव नहीं

कार्यक्रम में मुख्यातिथि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स सुपर्णो सतपथी ने कहा कि देश 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद देश की पहली सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। देश हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि देश का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में देश के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-01-2023**

हकेवि में 'इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता : सुपर्णो सतपथी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में बुधवार को इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित

करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे, इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे पूर्व में मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-01-2023**

आत्मिक शक्ति को पहचान आगे बढ़ें : सतपथी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने

हकेंवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी

पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाने के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सर्वप्रथम जरूरत है कि हम ऐसे माहौल का निर्माण करें, जिसमें कि सभी मिलकर भारत के इतिहास को पहचानकर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हों। कुलपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डा. एपी शर्मा ने दिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-01-2023**

भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी: कुलपति

बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ें

इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर चर्चा करते हुए आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपणारे सतपथी मुख्यातिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मयचक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृतकाल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एपी शर्मा ने दिया

यह वह समय था, जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। इससे पूर्व में मुख्यातिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एपी शर्मा ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-01-2023**

हकेंवि में इंडिया @2047 पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

भारत के बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचान कर आगे बढ़ें: सुपर्णो सतपथी

■ कुलपति बोले- भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

महेंद्रगढ़, 18 जनवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को 'इंडिया@2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मैमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्यातिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमैंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी।

में मुख्यातिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया @ 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

हकेंवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी तथा मंच पर उपस्थित अतिथि।

युवाओं को इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा: प्रो. सुषमा यादव

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे, इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। इस मुहिम में सभी के सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण हैं और अवश्य ही यदि युवा पीढ़ी सही राह पकड़ ले तो कोई चुनौती मुश्किल नहीं है।

इससे पूर्व में मुख्यातिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने दिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

मूल इतिहास को जाने बिना नए भारत का विकास नहीं हो सकता

सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी।

उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत अमृत काल का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वप्रथम जरूरत है कि हम ऐसे माहौल का निर्माण करें जिसमें कि सभी मिलकर भारत के इतिहास को पहचान कर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हों। कुलपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

साथ ही उन्होंने हरियाणा की पावन धरती का उल्लेख करते हुए गीता के संदेश की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hadoti Adhikar **Date: 19-01-2023**

बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ें : सुपर्णो सतपथी

कुलपति बोले भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

सूरज कुमार ▸▸ हाड़ौती अधिकार

नारनौल, 18 जनवरी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मयचक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महतवपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा।